AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

राष्ट्रीय सुरक्षा, ज्योतिष और पुजारी के भी कोर्स पढ़ाएंगे

लखनऊ विश्वविद्यालय में को-कॅरिकुलर व वोकेशनल कोर्सों पर मुहर

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि में सत्र 2022-23 में प्रवेश के बाद कक्षाएं शुरू हो गई हैं। इसके साथ ही विवि प्रशासन ने को-कॅरिकुलर व वोकेशनल कोर्सों पर भी अपनी मुहर लगा दी है। इसमें कला संकाय की ओर से अपने यहां राष्ट्रीय सुरक्षा और चुनौतियां, मंदिर पुजारी, हस्त-अंक ज्योतिष, साइबर सिक्योरिटी, लैंगिक समानता को शामिल किया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत पहले सेमेस्टर के विद्यार्थियों को जहां को-कॅरिकुलर तो दूसरे में एक वोकेशनल कोर्स का भी चयन करना है। इसके अनुसार, रक्षा अध्ययन विभाग की ओर से को-कॅरिकुलर कोर्स के रूप में राष्ट्रीय सुरक्षा, वोकेशनल में मिलिट्री जियोग्राफी, एनसीसी ट्रेनिंग फॉर आर्मी कैडेट्स को शामिल किया गया है। वहीं राजनीति विज्ञान विभाग ने योर लॉज, योर राइट्स, पब्लिक ओपिनियन एंड सर्वे रिसर्च को शामिल किया गया है। इसी तरह ओरिएंटल संस्कृत में चौथे सेमेस्टर में अर्चक प्रशिक्षण (मंदिर पुजारी), ज्योतिर्विज्ञान विभाग में हस्त-अंक ज्योतिष, पंचांग कौशल, अरेबिक विभाग ने हिस्ट्री ऑफ कल्चरल डवलपमेंट ऑफ अरब, अर्थशास्त्र विभाग द्वारा बेसिक ऑफ इंडियन इकोनॉमी को शामिल किया गया है। इंस्टीट्यूट ऑफ विमेन स्टडीज में विमेन हुड एन ओवरविव : लाइफ साइकल, चैलेंजेज एंड मैनेजमेंट, सोशियोलॉजी विभाग ने रिपोर्ट राइटिंग एंड प्रजेंटेशन स्किल, इंग्लिश विभाग ने फ्रेंच ग्रामर, ट्रांसलेशन एंड कंपोजिशन आदि को शामिल किया है।

लॉ का कोर्स 20 दिसंबर तक पूरा करने के निर्देश

लविवि के विधि विभाग और इससे संबद्ध सभी लॉ कॉलेजों को एलएलबी तीन वर्षीय कोर्स के तीसरे सेमेस्टर का सिलेबस 20 दिसंबर तक पूरा करने को कहा गया है। डीन लॉ प्रो. बीडी सिंह ने कहा कि इनका आंतरिक मूल्यांकन 10 दिसंबर तक कर लिया जाए।

प्रो. पूनम टंडन दोबारा बनीं डीएसडब्ल्यू

लखनऊ। लविवि के भौतिक विज्ञान विभाग की प्रो. पूनम टंडन को तीन साल का कार्यकाल पूरा होने पर मंगलवार को दोबारा डीएसडब्ल्यू बनाया गया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व रजिस्ट्रार संजय मेधावी की उपस्थिति में उन्होंने दोबारा अपना कामकाज संभाला। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 4

एलयू : प्रो. पूनम फिर बनीं डीएसडब्ल्यू

■ एनबीटी सं., लखनऊ : एलयू में प्रो. पूनम टंडन को फिर से डीएसडब्ल्यू की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने भौतिकी विभाग की प्रो. पूनम टंडन को अधिष्ठाता छात्र कल्याण(डीएसडब्ल्यू) का दायित्व सौंपते हुए विद्यार्थी हित में और बेहतर काम की बात कही। गौरतलब है कि प्रो.पूनम टंडन ने डीएसडब्ल्यू रहते हुए कई प्रभावी कदम उठाए थे।

i-NEXT PAGE 2

अब मंदिर का पुजारी बनने का भी प्रशिक्षण देगा एलयू

LUCKNOW (29 Nov) : लखनऊ विश्वविद्यालय अब मंदिर का पुजारी बनने से लेकर वहां पूजा-अर्चना करने का भी प्रशिक्षण देगा. इसके लिए विश्वविद्यालय के ओरियंटल संस्कृत विभाग ने स्नातक चौथे सेमेस्टर में वोकेशनल कोर्स के रूप में अर्चक प्रशिक्षण नाम से पाठ्यक्रम तैयार किया है. खास बात यह है कि इसमें मंदिर में होने वाली पूजा की विधि, उसका तरीका सहित कई चीजें पढ़ाई जाएंगी. इसके अलावा भी कई प्रमुख कोर्स तैयार किए गए हैं, जिन्हें छात्र-छात्राएं अपनी पसंद के अनुसार पढ़ सकेंगे.

वोकेशनल कोर्स शुरू

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत एलयू ने स्नातक पहले, तीसरे सेमेस्टर में को-करिकुलर और दूसरे- चौथे सेमेस्टर में वोकेशनल कोर्स शुरू किए हैं. अभी तक इनकी संख्या सीमित थी. अब छात्र-छात्राओं के लिए 50 से ज्यादा कोर्स फाइनल कर दिए हैं. कला संकाय की ओर से इनकी सूची कुलसचिव को भेज दी गई है. विज्ञान और वाणिज्य संकाय से तैयार इन कोर्स की सूची आने के बाद इसे वेबसाइट पर जारी किया जाएगा. विश्वविद्यालय के ओरियंटल संस्कृत विज्ञान के सहायक आचार्य डा. श्यामलेश कुमार तिवारी ने अर्चक प्रशिक्षण (मंदिर पुजारी) का कोर्स बनाया है. उन्होंने बताया कि कोर्स में मंदिर के पुजारी, पूजा की विधि, शंख, घंटे की पूजा, इनका आह्वान करने की मुद्राएं, मंत्रों के प्रयोग का तरीका बताया जाएगा.

कई चीजों के बारे में जानेंगे

डीन रिसर्च प्रो. राकेश चंद्रा ने बताया कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और विकास को ध्यान में रखकर 35 वोकेशनल और 30 को करिकुलर कोर्स तैयार किए गए हैं. इनमें रक्षा अध्यक्ष विभाग ने प्रथम सेमेस्टर-को-करिकुलर में राष्ट्रीय सुरक्षा, पालिटिकल साइंस ने अपने कानून और अधिकार, द्वितीय सेमेस्टर वोकेशनल कोर्स में पब्लिक ओपिनियन एंड सर्वे रिसर्च, एआइएच ने वोकेशनल कोर्स चौथे सेमेस्टर में संग्रहालय अध्ययन, लिंग्विस्टिक्स ने को-करिकुलर प्रथम सेमेस्टर में मदर टंग अवेयरनेस, वोकेशनल चौथे सेमेस्टर में डॉक्यूमेंटेशन आफ लैंग्वेज डाटा, को-करिकुलर में साइबर सिक्योरिटी एंड एप्लीकेशन, ज्योतिर्विज्ञान ने को-करिकुलर कोर्स में हस्त अंक ज्योतिष और वोकेशनल में पंचांग कौशल, इंस्टीट्यूट आफ वूमेन स्टडीज ने तृतीय सेमेस्टर में जेंडर वायलेंस एंड मेंटल हेल्थ, चौथे सेमेस्टर में वोकेशनल कोर्स-वूमेन एंड एंटरप्रेन्योरशिप स्किल डेवलपमेंट कोर्स बनाया है.

JAGRAN CITY PAGE I

पुजारी बनने का भी प्रशिक्षण देगा लवि

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय अब मंदिर का पुजारी बनने से लेकर वहां पूजा-अर्चना करने का भी प्रशिक्षण देगा। विश्वविद्यालय के ओरियंटल संस्कृत विभाग ने स्नातक चौथे सेमेस्टर में वोकेशनल कोर्स के रूप में अर्चक प्रशिक्षण नाम से पाठ्यक्रम तैयार किया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत लवि ने 50 से ज्यादा कोर्स फाइनल कर दिए हैं। कला संकाय ने सूची कुलसचिव को भेज दी है। विज्ञान व वाणिज्य संकाय से तैयार इन कोर्स की सूची आने के बाद इसे वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। ओरियंटल संस्कृत विज्ञान के सहायक आचार्य डा. श्यामलेश तिवारी ने अर्चक प्रशिक्षण (मंदिर पुजारी) का कोर्स बनाया है। कोर्स में मंदिर के पुजारी, पूजा की विधि, शंख, घंटे की पूजा, इनका आह्वान करने की मुद्राएं, मंत्रों के प्रयोग का तरीका बताया जाएगा।

साइबर सिक्योरिटी, महिला उद्यमिता के बारे में जानेंगे : डीन रिसर्च प्रो. राकेश चंद्रा ने बताया कि 35 वोकेशनल और 30 को करिकुलर कोर्स तैयार किए गए हैं। इनमें रक्षा अध्यक्ष विभाग ने प्रथम सेमेस्टर-को-करिकुलर में राष्ट्रीय सुरक्षा, पालिटिकल साइंस ने अपने कानून और अधिकार, द्वितीय सेमेस्टर वोकेशनल कोर्स में पब्लिक ओपिनियन एंड सर्वे रिसर्च, एआइएच ने वोकेशनल कोर्स चौथे सेमेस्टर में संग्रहालय अध्ययन, लिंग्विस्टिक्स ने को-करिकुलर प्रथम सेमेस्टर में मदर टंग अवेयरनेस, वोकेशनल चौथे सेमेस्टर में डॉक्यूमेंटेशन आफ लैंग्वेज डाटा, को-करिकुलर में साइबर सिक्योरिटी एंड एप्लीकेशन, ज्योतिर्विज्ञान ने को-करिकुलर कोर्स में हस्त अंक ज्योतिष व वोकेशनल में पंचांग कौशल, इंस्टीट्यूट आफ वूमेन स्टडीज ने तृतीय सेमेस्टर में जेंडर वायलेंस एंड मेंटल हेल्थ, चौथे सेमेस्टर में वोकेशनल कोर्स-वूमेन एंड एंटरप्रेन्योरशिप स्किल डेवलपमेंट कोर्स बनाए हैं।

HINDUSTAN PAGE 6

प्रो. पूनम टंडन फिर बनीं डीएसडब्ल्यू

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की प्रोफेसर पूनम टंडन को फिर से तीन साल के लिए अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) बनाया गया है। उन्होंने पिछले तीन वर्षों के कार्यकाल में अहम भूमिका निभाई है। इनमें छात्र केंद्रित विभिन्न योजनाओं जैसे कर्मयोगी, कर्मोदय, छात्र कल्याण, शोध मेधा आदि योजनाएं बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। (जासं)

तीन तक करें आवेदन

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी सत्र 2021-22 एवं एमबीए प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थी तीन दिसंबर तक हास्टल आवंटन के लिए आनलाइन आवेदन कर सकेंगे। यह प्रक्रिया हास्टल मैनेजमेंट सिस्टम से करनी होगी। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप सिंह ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया। आवेदक को 50 रुपये शुल्क जमा करनी होगा। (जासं)

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

भौतिकी विभाग की प्रोफेसर को पुनः मिला अधिष्ठाता छात्र कल्याण का दायित्व

स्वतंत्र भारत, संवाददाता, लखनऊ। राजधानी स्थित एलयू के विजन और मिशन की परिकल्पना के अनुसार सुव्यवस्थित छात्र कल्याण केन्द्रित कार्यक्रम की परिकल्पना को और आगे बढ़ाने व सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रो. पूनम टंडन को पुनः तीन वर्षों के लिए अधिष्ठाता छात्र कल्याण बनाया गया है।

कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय द्वारा छात्र कल्याण की दिशा में चुनौतियों से निपटने के लिए, प्रभावी व सकारात्मक निर्णयों को लागू करने में प्रो. पूनम टंडन ने पिछले 3 वर्षों के कार्यकाल में अहम भूमिका निभाई है। इनमें छात्र केंद्रित विभिन्न योजनाओं जैसे कर्मयोगी, कर्मोदय, छात्र कल्याण, शोध मेधा, और अर्पण-एडाप्ट एक ब्रेन इत्यादि योजनाएं जो छात्रहित में छात्रवृत्ति, वित्तीय सहायता एवं अन्य अवसर प्रदान करती हैं तथा ओपीडी योजना, ट्री योजना, मेधावी छात्र परिषद, हैप्पी थिंकिंग लैब, परामर्श और मार्गदर्शन सेल, कॉफी विथ वीसी आदि योजनाएं छात्रों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं।

इसके साथ ही परिसर में सुविधाओं के विकास जैसे हीमोग्लोबिन और स्वास्थ्य जांच शिविर, सभी लड़कियों के छात्रावासों और अन्य महिला शौचालयों में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और भस्मक, दोनों परिसरों में समर्पित सफाईकर्मियों के साथ लड़कियों के शौचालय, सभी 17 छात्रावासों में ओपन जिम, इलेक्ट्रिक रिक्शा और दिव्यांगजन कैंटीन इत्यादि छात्र कल्याण केन्द्रित कार्यक्रमों के संचालन में उनका विशेष योगदान रहा है।

वही प्रो. पूनम टंडन ने दायित्व मिलने पर कुलपति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कुलपति का विजन, एलयू को राष्ट्रीय ही नहीं, अपितु अंतर्राष्ट्रीय पटल पर एक पहचान दिलाना है। इस दिशा में उनकी प्राथमिकता छात्र-छात्राओं के लिए एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आवश्यक मजबूत छात्र कल्याण कार्यक्रम विकसित करने पर रहेगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में लगभग 20000 से अधिक छात्रों के कल्याण के लिए सभी के साथ मिलकर छात्रहित में बेहतर माहौल बनाने के लिए हर संभव प्रयास जारी रहेगा।

AMRIT VICHAR PAGE 6

परीक्षा फॉर्म सत्यापित कराने के लिए जमा करना होगा माइग्रेशन व टीसी

लविवि प्रशासन ने विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं की तैयारी के साथ जारी की नई गाइड लाइन

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) व सभी संबद्ध डिग्री कॉलेजों के यूजी व पीजी प्रथम वर्ष के पहले सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं को परीक्षा फार्म भरने से पहले टीसी व माईग्रेशन जमा करना होगा। इसको लेकर मंगलवार को लविवि प्रशासन ने परीक्षा फार्म सत्यापित करने को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है।

साथ ही लविवि से सभी संबद्ध डिग्री कॉलेजों को निर्देश दिए गए हैं कि जिन छात्रों के टीसी व माइग्रेशन सर्टिफिकेट जमा हुए हों, उन छात्रों के परीक्षा फॉर्म ही सत्यापित किए जाएं अन्यथा संबंधित कॉलेज जिम्मेदार होगा।

बता दें कि लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से जारी शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार, विश्वविद्यालय जनवरी के तीसरे सप्ताह से सत्र 2022-23 की विषम सेमेस्टर की परीक्षा कराने की तैयारी कर रहा है। जिसके तहत शैक्षणिक सत्र 2022-23 के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा के लिए परीक्षा फॉर्म भरवाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। लविवि के परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि सभी संबद्ध डिग्री कॉलेजों को निर्देश दिए गए हैं कि विवि में संचालित स्नातक और परास्नातक प्रथम सेमेस्टर सत्र 2022-23 में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं के टीसी व माइग्रेशन उपलब्ध होने के बाद ही भरे गए परीक्षा फॉर्म को कॉलेज ऑनलाइन सत्यापित करें। यदि इस प्रक्रिया में कोई त्रुटि कॉलेजों के स्तर से पाई जाती है, तो उनके परीक्षा फॉर्म रोक दिए जाएंगे और इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित डिग्री कॉलेजों की होगी।

सत्र को पटरी पर लाने की जद्दोजहद

कोरोना के कारण लविवि का शैक्षिक सत्र काफी पीछे चल रहा है। वर्ष 2022 में विश्वविद्यालय करीब 10 महीने तक परीक्षा आयोजित कराता रहा है। इसके बावजूद भी अभी तक सत्र पटरी पर नहीं आ सका है। नए सत्र 2022-23 की समेस्टर परीक्षा दिसंबर से शुरू होनी थी, लेकिन सत्र लेट होने के कारण विवि ने विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं जनवरी महीने के तीसरे सप्ताह में रखी हैं। जिसके तहत प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा फार्म भरवाने का काम शुरू किया गया है।

पुजारी बनने का भी प्रशिक्षण देगा लविवि

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय लविवि में पुजारी बनने से लेकर अब मंदिर की पूजा-अर्चना करने का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के ओरियंटल संस्कृत विभाग ने स्नातक चौथे सेमेस्टर में वोकेशनल कोर्स के रूप में 'अर्चक प्रशिक्षण' नाम से पाठ्यक्रम तैयार कर लिया गया है।

खास बात यह है कि इसमें मंदिर में होने वाली पूजा की विधि, उसका तरीका सहित कई चीजें पढ़ाई जाएंगी। इसके अलावा भी कई प्रमुख कोर्स तैयार किए गए हैं, जिन्हें छात्र-छात्राएं अपनी पसंद के अनुसार पढ़ सकेंगे। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत लविवि ने स्नातक पहले, तीसरे सेमेस्टर में को-करीकुलर और दूसरे-चौथे सेमेस्टर में वोकेशनल कोर्स शुरू किए हैं।

जिसमें छात्र-छात्राओं के लिए 65 से ज्यादा को-करीकुलर और वोकेशनल कोर्स फाइनल कर दिए हैं। कला संकाय की ओर से इनकी सूची कुलसचिव को भेज दी गई है। जबकि विज्ञान और वाणिज्य संकाय की ओर से तैयार इन कोर्स की सूची आने का इंतजार है। इसके बाद इसे वेबसाइट पर जारी कर दिया जाएगा।

शिक्षा

- लविवि ने तैयार किए 65 से ज्यादा को-करीकुलर और वोकेशनल कोर्स
- अर्चक प्रशिक्षण के माध्यम से विवि में पूजा-अर्चना की कराई जाएगी पढ़ाई

विधि विश्वविद्यालय में दो नकलची पकड़े

लखनऊ। डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में मंगलवार को पहले व तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा में दो नकलची पकड़े गए। इसमें एक प्रथम सेमेस्टर का छात्र था। वहीं दूसरा नकलची तीसरे सेमेस्टर का मिला। दोनों को परीक्षा कॉपी जब्त कर अनुचित साधन प्रयोग समिति के सुपुर्द कर दी गई है। विधि विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर केए पांडेय ने बताया कि मंगलवार को विवि की परीक्षा के दौरान दो छात्र एक प्रथम व दूसरा तृतीय सेमेस्टर के पास से नकल सामग्री बरामद की। इसके बाद विवि के जांच दल ने दोनों छात्रों की कॉपी के साथ नकल सामग्री संलग्न कर समिति को सौंप दी। प्रॉक्टर के मुताबिक अगर नकल सामग्री विषय से संबंधित होती है तो छात्रों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए पुनः परीक्षा देने की कार्रवाई की जाएगी और अगर विषय संबंधित सामग्री नहीं होने पर समिति विचार करेगी।

TARUN MITRA PAGE 12

अंतर्राष्ट्रीय पटल पर लविवि को दिलाना है पहचान- प्रो. टंडन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विजन और मिशन की परिकल्पना के अनुसार सुव्यवस्थित छात्र कल्याण केन्द्रित कार्यक्रम की परिकल्पना को और आगे बढ़ाने तथा सुदृढ करने के उद्देश्य से प्रो. पूनम टंडन को पुनः तीन वर्षों के लिए अधिष्ठाता छात्र कल्याण बनाया गया है। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि छात्र कल्याण की दिशा में चुनौतियों से निपटने के लिए प्रभावी व सकारात्मक निर्णयों को लागू करने में प्रो.पूनम टंडन ने पिछले तीन वर्षों के कार्यकाल में अहम भूमिका निभाई है। इनमें छात्र केंद्रित विभिन्न योजनाओं जैसे कर्मयोगी, कर्मोदय, छात्र कल्याण, शोध मेधा, और अर्पण-एडाप्ट एक ब्रेन आदि योजनाएं जो छात्र हित में छात्रवृत्ति, वित्तीय सहायता एवं अन्य अवसर प्रदान करती हैं तथा ओपीडी योजना, ट्री योजना, मेधावी छात्र परिषद, हैप्पी थिंकिंग लैब, परामर्श और मार्गदर्शन सेल, कॉफी विद वीसी आदि योजनाएं छात्रों के भविष्य निर्माण मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं।

KANWHIZZ TIMES PAGE 2

भौतिकी विभाग की प्रोफ़ेसर पूनम टंडन को पुनः अधिष्ठाता छात्र कल्याण का दायित्व मिला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । विश्वविद्यालय के विजन और मिशन की परिकल्पना के अनुसार सुव्यवस्थित छात्र कल्याण केन्द्रित कार्यक्रम की परिकल्पना को और आगे बढाने व सुदृढ करने के उद्देश्य से प्रोफ़ेसर पूनम टंडन को पुनः तीन वर्षों के लिए अधिष्ठाता छात्र कल्याण बनाया गया है । माननीय कुलपति प्रोफ़ेसर आलोक कुमार राय द्वारा छात्र कल्याण की दिशा मे चुनौतियों से निपटने के लिए, प्रभावी व सकारात्मक निर्णयों को लागू करने मे प्रो. पूनम टंडन ने पिछले तीन वर्षों के कार्यकाल में अहम भूमिका निभाई है। इनमे छात्र केंद्रित विभिन्न योजनाओं जैसे कर्मयोगी, कर्मोदय, छात्र कल्याण, शोध मेधा, और अर्पण -एडाप्ट एक ब्रेन इत्यादि योजनाएँ जो छात्र हित मे छात्रवृत्ति, वित्तीय सहायता एवं अन्य अवसर प्रदान करती हैं तथा ओपीडी योजना, ट्री योजना, मेधावी छात्र परिषद, हैप्पी थिंकिंग लैब, परामर्श और मार्गदर्शन सेल, कॉफी विद वीसी आदि योजनाएँ छात्रों के भविष्य निर्माण मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं । इसके साथ ही परिसर मे सुविधाओं के विकास जैसे हीमोग्लोबिन और स्वास्थ्य जांच शिविर, सभी लड़कियों के छात्रावासों और अन्य महिला शौचालयों में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और भस्मक, दोनों परिसरों में समर्पित सफाईकर्मियों के साथ लड़कियों के शौचालय, सभी 17 छात्रावासों में ओपन जिम, इलेक्ट्रिक रिक्शा और दिव्यांगजन कैंटीन इत्यादि छात्रकल्याण केन्द्रित कार्यक्रमों के संचालन मे प्रोफ़ेसर पूनम टंडन का विशेष योगदान रहा है । प्रोफ़ेसर पूनम टंडन ने दायित्व मिलने पर कुलपति प्रोफ़ेसर आलोक कुमार राय का आभार जताते हुए कहा कि माननीय कुलपति का विजन लखनऊ विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय ही नही अपितु अंतर्राष्ट्रीय पटल पर एक पहचान दिलाना है। इस दिशा मे उनकी प्राथमिकता छात्र छात्राओ के लिए एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आवश्यक मजबूत छात्र कल्याण कार्यक्रम विकसित करने पर रहेगी। उन्होने बताया कि विश्वविद्यालय के दोनो परिसरों में लगभग 20000 से अधिक छात्रों के कल्याण के लिए सभी के साथ मिलकर छात्र हित मे बेहतर माहौल बनाने के लिए हर संभव प्रयास जारी रहेगा ।

प्रो. पूनम बनीं छात्र अधिष्ठाता कल्याण

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की प्रोफेसर पूनम टंडन को पुनः तीन वर्षों के लिए अधिष्ठाता छात्र कल्याण बनाया गया है। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय द्वारा छात्र कल्याण की दिशा में चुनौतियों से निपटने के लिए प्रभावी व सकारात्मक निर्णयों को लागू करने में प्रो. पूनम टंडन ने अहम भूमिका निभाई है। प्रोफेसर पूनम टंडन ने कहा कि कुलपति का विजन एलयू को राष्ट्रीय ही नही अंतर्राष्ट्रीय पटल पर एक पहचान दिलाना है।

एलयू : छात्रावास के लिए तीन तक आवेदन करें

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया 2022-23 के चयनित छात्रों को तीन दिसम्बर तक हॉस्टल के लिए आवेदन करना होगा। इसके साथ ही एमबीए प्रथम सेमेस्टर के छात्र भी तीन दिसम्बर तक आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करना होगा और 50 रुपये शुल्क देय होगा।